



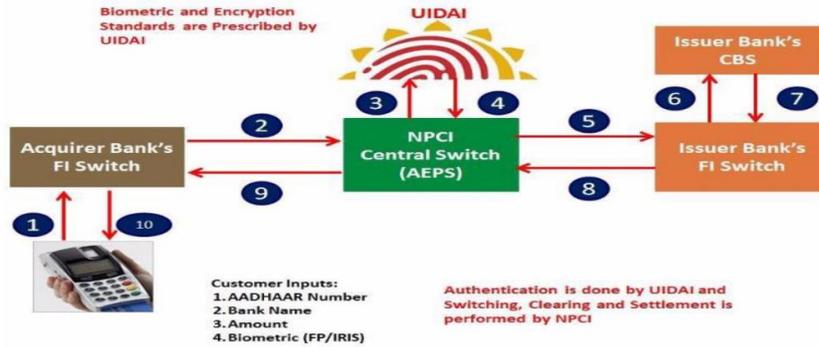
## आधार आधारित भुगतान प्रणाली (AbPS)

**सन्दर्भ:** आधार आधारित भुगतान प्रणाली प्रगति का मूल्यांकन किया गया, और मिश्रित वेतन भुगतान मार्ग (NACH और AbPS) को 31 दिसंबर, 2023 या अगली सूचना तक बढ़ा दिया गया।

- इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने राज्यों को सूचित किया है कि जब लाभार्थी काम के लिए आए तो उनसे आधार नंबर मांगा जाना चाहिए, लेकिन इसके अभाव में उन्हें काम से वंचित नहीं किया जा सकता है।
- लाभार्थियों द्वारा बार-बार बैंक खाता बदलने से अधिकारियों द्वारा नए खाता नंबर अपडेट न करने के कारण भुगतान अस्वीकार हो जाता है।
- ऐसे मुद्दों से बचने का सबसे अच्छा समाधान समय पर वेतन भुगतान के लिए आधार पेमेंट भुगतान प्रणाली (AbPS) है।
- AbPS भुगतान को आधार से जोड़ता है, जिससे स्थान या बैंक खाता बदलने के बाद खाता अपडेट की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- डीबीटी-सक्षम भुगतान की सफलता दर लगभग 99.55% है, जबकि खाता-आधारित भुगतानों की सफलता दर लगभग 98% है।
- AbPS वास्तविक लाभार्थियों की मदद करता है, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाता है और काम की मांग की पात्रता को प्रभावित नहीं करता है।
- AbPS का उपयोग 2017 से महात्मा गांधी NREGS के तहत किया जा रहा है और अब व्यापक आधार उपलब्धता के कारण इसे बढ़ा दिया गया है।
- एक रिपोर्ट के अनुसार 81.89% सक्रिय कर्मचारी एपीबीएस के लिए पात्र हैं, जुलाई 2023 के 88.51% वेतन भुगतान इसके माध्यम से किए गए हैं।
- महात्मा गांधी नरेगा को एपीबीएस पारिस्थितिकी तंत्र और भुगतान प्रक्रिया से लाभ मिलता है।
- आधार-आधारित भुगतान स्पष्ट हितधारक भूमिकाओं के साथ एक निर्धारित प्रक्रिया का उपयोग करके लाभार्थी के खातों में धनराशि क्रेडिट करता है।

### आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली

- NPCI द्वारा बनाया गया AePS, बैंक के नेतृत्व वाले मॉडल के तहत काम करता है, जो निर्बाध लेनदेन के लिए विभिन्न बैंकों को एक साथ लाता है।
- लाभार्थी अपने खातों तक पहुंचने के लिए AePS का उपयोग करके किसी भी बैंक के माइक्रो-एटीएम या पीओएस का उपयोग कर सकते हैं, जिससे अंतरसंचालनीयता को बढ़ावा मिलेगा।
- AePS का उपयोग आधार से जुड़े बैंक लाभार्थी के खातों में सरकारी लाभ और सब्सिडी पहुंचाने के लिए किया जाता है।
- यह सुरक्षित, उपयोगकर्ता-अनुकूल तरीका उन लोगों के लिए भी लाभकारी है जिनके पास स्मार्टफोन या औपचारिक बैंकिंग पहुंच नहीं है।
- AePS OTP, बैंक विवरण और अन्य वित्तीय जानकारी की आवश्यकता को समाप्त कर देता है।



## राष्ट्रीय स्वचालित समाशोधन गृह (NACH)

- NACH एक वेब-आधारित प्लेटफॉर्म है जो बैंकों, कॉर्पोरेट्स, वित्तीय संस्थानों और सरकार के लिए उच्च इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन को सुव्यवस्थित करता है।
- एनपीसीआई द्वारा स्थापित यह इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सेवा, थोक और आवर्ती लेनदेन को संभालने वाले बैंकों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।
- NACH; सब्सिडी, लाभांश, वेतन, पेंशन आदि वितरित करने और उपयोगिताओं, ऋण, निवेश, बीमा प्रीमियम आदि के लिए भुगतान एकरूप करने में सहायता करता है।
- NACH प्रणाली में स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय ECS वेरिएंट के साथ ECS क्रेडिट और ECS डेबिट भी शामिल हैं।

## लेजर-प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी (LIBS) तकनीक

**सन्दर्भ:** प्रज्ञान रोवर ने LIBS तकनीक का उपयोग करके चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सल्फर की उपस्थिति की पुष्टि की है।

- चंद्रयान-3 रोवर का LIBS उपकरण दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्र सतह पर ऑन-साइट मौलिक संरचना माप का पहला उदाहरण है।
- इसरो की इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स सिस्टम प्रयोगशाला (LIOS) द्वारा विकसित यह LIBS उपकरण, ऊर्जा के शक्तिशाली स्पंदनों का उपयोग करके चट्टानों या मिट्टी से प्लाज्मा एकरूप करता है।
- LIBS उपकरण के साथ रोवर, अल्ट्रा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर से सुसज्जित है, जिसे चंद्रमा की सतह की मौलिक संरचना की जांच करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- लेजर-प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी (LIBS) तकनीक में नमूने की सतह पर प्लाज्मा बनाने के लिए लेजर पल्स का उपयोग किया जाता है, जो प्रकाश उत्सर्जित करता है।
- बाद में नमूने की मौलिक संरचना निर्धारित करने के लिए इसी उत्सर्जित प्रकाश का विश्लेषण किया जाता है।

### लेजर पल्स तकनीक (LIBS)

- एलआईवीएस एक वैज्ञानिक विधि है जो तीव्र लेजर पल्स का उपयोग करके सामग्री संरचना का विश्लेषण करती है।
- एक उच्च-ऊर्जा लेजर पल्स को सामग्री की सतह पर केंद्रित किया जाता है, जिससे स्थानीयकृत प्लाज्मा का निर्माण होता है।
- प्लाज्मा प्रकाश को स्पेक्ट्रम में विभाजित किया जाता है और चार्ज युग्मित उपकरणों का उपयोग करके उसका पता लगाया जाता है।
- तत्व प्लाज्मा में द्वितीय तरंग दैर्घ्य उत्सर्जित करते हैं, जिससे सामग्री संरचना का निर्धारण संभव हो जाता है।

## Face to Face Centres





### चंद्रमा पर तत्व

- प्रारंभिक विश्लेषण में चंद्र सतह पर एल्युमिनियम (Al), सल्फर (S), कैल्शियम (Ca), आयरन (Fe), क्रोमियम (Cr), और टाइटेनियम (Ti), मैंगनीज (एमएन), सिलिकॉन (सी), और ऑक्सीजन का पता चला है।
- ज्वालामुखी गतिविधियों से जुड़े चंद्रमा के इतिहास की जानकारी के लिए सल्फर का पता लगाना महत्वपूर्ण है।
- सल्फर की उपस्थिति चंद्रमा के निर्माण और विकास के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान कर सकती है।
- यह जांच हाइड्रोजन की उपस्थिति को समझने पर केंद्रित है।

## तकनीकी वस्त्रों में इच्छुक नवप्रवर्तकों के लिए अनुसंधान और उद्यमिता के लिए दिशानिर्देश (GREAT)

**सन्दर्भ:** वस्त्र मंत्रालय ने हाल ही में राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के ढांचे के भीतर तकनीकी वस्त्र निर्माण करने के लिए 26 इंजीनियरिंग संस्थानों को मंजूरी दे दी है।

- वस्त्र मंत्रालय ने राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) के तहत निम्न दिशानिर्देशों को मंजूरी दी है:
- 18 महीनों के लिए 50 लाख रुपये तक की अनुदान सहायता प्रदान करना।
- GREAT मिशन नवीन प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देता है।
- तकनीकी वस्त्रों के अनुप्रयोग क्षेत्रों पर जोर देता है: जैसे कृषि-वस्त्र, भवन-वस्त्र, भू-वस्त्र, गृह-वस्त्र, चिकित्सा-वस्त्र, मोबाइल-वस्त्र, पैकेजिंग-वस्त्र, सुरक्षात्मक-वस्त्र, खेल-वस्त्र, आदि।
- इसमें उच्च-प्रदर्शन फाइबर, स्थायी और पुनर्चक्रण योग्य कपड़ा सामग्री, स्मार्ट टेक्सटाइल (AI), IoT, 3डी/4डी प्रिंटिंग), स्वदेशी मशीनरी/उपकरण/उपकरण आदि शामिल हैं।
- नवप्रवर्तकों को कुल अनुदान सहायता का अतिरिक्त 10% प्राप्त होता है।
- नवप्रवर्तकों को फंडिंग का 10% दो समान किरतों में निवेश करना होगा।
- इसका उद्देश्य विशेष रूप से बायो-डिग्रेडेबल, सस्टेनेबल, हार्ड-परफॉर्मिंग और स्पेशलिटी फाइबर और स्मार्ट टेक्सटाइल्स में तकनीकी वस्त्र स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है।

### संस्थानों का उन्नयन एवं प्रशिक्षण :

- तकनीकी वस्त्रों में प्रयोगशाला बुनियादी ढांचे के उन्नयन और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए 26 संस्थानों को मंजूरी दी गई।
- सार्वजनिक संस्थानों से 15 आवेदन (INR 105.55 करोड़) और निजी संस्थानों से 11 आवेदन (INR 45.47 करोड़) मिले हैं, इनमें आईआईटी दिल्ली, एनआईटी जालंधर, निफ्ट मुंबई, अन्ना यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान शामिल हैं।

### तकनीकी वस्त्र शिक्षा में शैक्षणिक संस्थानों को सक्षम बनाना (द्वितीय चरण)

- सम्बंधित मंत्रालय आसान मापदंडों के साथ एनटीटीएम के तहत शैक्षणिक संस्थानों के लिए दिशानिर्देश फिर से खोलेगा।
- पात्रता मानदंड में 750 और उससे अधिक का एनबीए स्कोर, ए+/3.26 या उससे अधिक की एनएसी रेटिंग, या शीर्ष 200 एनआईआरएफ रैंक वाले संस्थान शामिल हैं।
- शैक्षणिक वर्ष 2025-26 तक पाठ्यक्रम में नए पाठ्यक्रमों/पेपर्स को शामिल करने का लक्ष्य तय किया गया।

### तकनीकी वस्त्रों की गुणवत्ता और विनियमन

- मंत्रालय ने 31 तकनीकी कपड़ा उत्पादों के लिए 02 क्यूसीओ को अधिसूचित किया, जो 7 अक्टूबर 2023 से प्रभावी है।
- 28 और उत्पादों (एग्रोटेक्सटाइल्स, मेडिकल टेक्सटाइल्स सहित) के लिए क्यूसीओ सितंबर 2023 में जारी होने की संभावना है।
- अर्थव्यवस्था और समाज पर क्यूसीओ के प्रभाव का आकलन करने के लिए उद्योगों के साथ एकाधिक हितधारक परामर्शी

### राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन

- वस्त्र मंत्रालय ने 2020-21 से 2023-24 तक 4 वर्षों के लिए इस मिशन की शुरुआत की, जिसका बजट रु. 1480 करोड़ है।
- प्राथमिक उद्देश्य भारत को तकनीकी कपड़ा क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करना है। मिशन ने 2024 तक 15-20% की औसत वार्षिक वृद्धि दर के साथ 40-50 बिलियन डॉलर के घरेलू बाजार का आकार हासिल करने का लक्ष्य रखा है।
- 'मेक इन इंडिया' पहल के अनुरूप, यह मिशन तकनीकी वस्त्रों से संबंधित मशीनरी और उपकरणों के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करता है।
- मिशन चार मुख्य घटकों में शामिल है:
  - अनुसंधान, नवाचार और विकास, संवर्धन एवं बाजार विकास, निर्यात प्रोत्साहन, शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास।
- तकनीकी वस्त्रों को प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रमों में एकीकृत करने, आयात निर्भरता को कम करने और क्षेत्र में पूंजीगत वस्तुओं के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

## NEWS IN BETWEEN THE LINES

### लिविड अपोजी मोटर



#### लिविड अपोजी मोटर क्या है?

- लिविड अपोजी मोटर (LAM) एक छोटा लेकिन शक्तिशाली इंजन है जिसका उपयोग उपग्रहों और अंतरिक्ष यान के कक्षीय समायोजन के लिए किया जाता है।
  - इसका मुख्य कार्य अंतरिक्ष में यात्रा के दौरान अंतरिक्ष यान के प्रक्षेप पथ को ठीक करना है।
- LPSC द्वारा विकसित:**
- LAM को तिरुवनंतपुरम स्थित इसरो के, लिविड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) द्वारा विकसित किया गया था।
  - एलपीएससी विभिन्न अंतरिक्ष अभियानों में उपयोग किए जाने वाले तरल और क्रायोजेनिक प्रणोदन प्रणालियों के लिए जिम्मेदार है।
- अंतरिक्ष अभियानों में भूमिका:** LAM ने मार्स ऑर्बिटर मिशन (मंगलयान), चंद्रयान-3 और अन्य सहित कई अंतरिक्ष अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- घटक और प्रणोदक:** LAM प्रणोदकों के संयोजन का उपयोग करता है, आमतौर पर मोनो-मिथाइल हाइड्राजीन (MMH) और नाइट्रोजन के मिश्रित ऑक्साइड (MON3)।

## Face to Face Centres





31 August, 2023

	<p><b>कक्षीय समायोजन:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>LAM इंजन का उपयोग मुख्य रूप से किसी अंतरिक्ष यान की कक्षा को समायोजित करने के लिए किया जाता है।</li> <li>ये मिशन के उद्देश्यों के लिए आवश्यकतानुसार अंतरिक्ष यान के वेग, प्रक्षेप पथ या स्थिति को बदलने के लिए सक्रिय होते हैं।</li> </ul> <p><b>आदित्य-एल1 मिशन में एलएएम:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>LAM इसरो के आदित्य-एल1 मिशन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए बनाया गया है, जिसका उद्देश्य सूर्य का अध्ययन करना है।</li> <li>इस मिशन में, LAM का उपयोग पृथ्वी से 1.5 मिलियन किमी दूर लैंग्रेन्जियन प्वाइंट L1 पर एक हेलो कक्षा में आदित्य अंतरिक्ष यान को स्थापित करने के लिए किया जाएगा।</li> </ul>
<p><b>वॉकिंग लीव्स</b> (Walking Leaves)</p> 	<p><b>के बारे में:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>वॉकिंग लीव्स, जिन्हें पत्ती कीड़े के रूप में भी जाना जाता है, यह कीड़ों का एक समूह है जो दिखने में पत्तियों के समान होते हैं।</li> <li>वॉकिंग लीव्स वे कीड़े हैं जो पत्तियों की उपस्थिति की नकल करते हैं, जो फास्मिडा या फास्माटोडिया क्रम से संबंधित हैं।</li> <li>इन चपटे, आमतौर पर हरे कीड़ों की 50 से अधिक प्रजातियां अपनी पत्ती जैसी उपस्थिति के लिए जानी जाती हैं।</li> <li>ये अपने भोजन के लिए मुख्य रूप से पौधों पर निर्भर हैं और आमतौर पर घनी वनस्पति वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।</li> <li>उनका प्राकृतिक आवास हिंद महासागर के द्वीपों से लेकर दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों तक फैला हुआ है।</li> <li>मादा चलने वाली पत्तियाँ आम तौर पर नर की तुलना में बड़ी होती हैं।</li> <li>ये कीड़े अक्सर भूरे या हरे रंग के होते हैं, कुछ धब्बेदार पैटर्न या दाँतेदार किनारों के साथ कुतरती हुई पत्तियों के समान होते हैं।</li> <li>चलने वाली पत्तियाँ यौन रूप से प्रजनन करती हैं, मादाएं अंडे देती हैं।</li> </ul>
<p><b>"सुपर ब्लू मून"</b></p> 	<p>30 अगस्त को, आकाश में "सुपर ब्लू मून" के उदय के साथ एक दुर्लभ घटना घटी, जो सुपरमून और ब्लू मून के संयोजन का परिणाम है।</p> <p><b>ब्लू सुपरमून क्या है?</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>ब्लू सुपरमून, एक दुर्लभ खगोलीय घटना, 2009 के बाद पहली बार दुनिया भर के आकाशदर्शियों को आकर्षित कर रही है।</li> <li><b>ब्लू मून क्या है?</b></li> <li>ब्लू मून घटना तब होती है जब एक वर्ष में सामान्य 12 के बजाय 13 पूर्ण चंद्रमा (फुल मून) होते हैं।</li> <li>यह घटना वर्ष में दिनों की विशिष्ट व्यवस्था के कारण होती है।</li> </ul> <p><b>ब्लू मून और सुपरमून संयोजन:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>यह ब्लू मून भी एक सुपरमून है, जो अपनी कक्षा में चंद्रमा की पृथ्वी से निकटतम निकटता को दर्शाता है।</li> <li>सुपरमून के दौरान पृथ्वी के करीब आने के कारण चंद्रमा असामान्य रूप से चमकीला दिखाई देता है।</li> </ul> <p><b>नामकरण एवं रंग</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>"ब्लू मून" शब्द चंद्रमा के रंग को संदर्भित नहीं करता है; इसका नाम चंद्रमाओं की विशिष्ट नामकरण योजना से विचलन के कारण रखा गया है।</li> <li>घटना का नाम एक भौगोलिक घटना है और इसका चंद्रमा के रंग से कोई संबंध नहीं है।</li> </ul>
<p><b>कवक</b></p> 	<p>हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता पहल का उद्देश्य "वनस्पतियों और जीवों" के साथ "कवक" शब्द के उपयोग को प्रोत्साहित करके कवक को समान मान्यता और सुरक्षा देना है।</p> <p><b>कवक का महत्व:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>कवक, एनिमेलिया, प्लांटे, प्रोटिस्टा, आर्किया/आर्कबैक्टीरिया और बैक्टीरिया जीव विज्ञान के छह "किंगडम" बनाते हैं।</li> <li>कवक अपघटन, वन पुनर्जनन, स्तनधारियों में पाचन, कार्बन पृथक्करण, पोषक चक्र, एंटीबायोटिक्स और विभिन्न मानव उपभोग्य सामग्रियों (ब्रेड, बीयर, चॉकलेट) के लिए महत्वपूर्ण हैं।</li> </ul> <p><b>भाषा में "फुंगा" को शामिल करना:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>भाषा वास्तविकता को आकार देती है, और कवक के महत्व को उजागर करने के लिए "कवक" का उपयोग करना आवश्यक है।</li> <li>संयुक्त राष्ट्र कवक की भूमिका को रेखांकित करने के लिए रोजमर्रा की बातचीत, शैक्षिक सामग्री, मीडिया और सोशल मीडिया शब्दावली में "कवक/फुंगा" को एकीकृत करने का सुझाव देता है।</li> </ul> <p><b>समावेशी संरक्षण प्रयास:</b></p> <p>आईयूसीएन के स्पीसीज सर्ववाइवल कमीशन (एसएससी) ने कवक की भूमिका को स्वीकार करने के लिए "माइक्रोलॉजिकली समावेशी" भाषा को अपनाया।</p> <p><b>कवक की भूमिका को पहचानना:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>कवक पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में, वन स्वास्थ्य से लेकर पोषक चक्र तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।</li> <li>संचार में "कवक" को एकीकृत करने से जीवन के जाल में कवक की आवश्यक भूमिका की समझ को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।</li> </ul>
<p><b>रेड सैंड बोआ</b></p> 	<p><b>नाम और वर्गीकरण:</b></p> <p>रेड सैंड बोआ (एरिक्स जॉनी) सरीसृप श्रेणी में आता है और इसे IUCN द्वारा 'खतरे के निकट' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।</p> <p><b>अवैध व्यापार:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>2016 से 2021 तक रेड सैंड बोआ की बरामदगी की 172 घटनाएं दर्ज की गईं।</li> <li>डब्ल्यूसीएस-इंडिया की काउंटर वाइल्डलाइफ ट्रेडिंग यूनिट द्वारा संकलित</li> </ul> <p><b>उच्च घटना वाले क्षेत्र:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>महाराष्ट्र में सबसे अधिक घटनाएं (59) दर्ज की गईं हैं।</li> <li>पुणे, ठाणे, रायगढ़ और मुंबई उपनगरीय जैसे शहरी क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए।</li> <li>उत्तर प्रदेश में दूसरी सबसे अधिक संख्या (33) थी, विशेषकर नेपाल सीमा के पास।</li> </ul>





	<p><b>व्यापार के कारण:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ पालतू पशु व्यापार की उच्च मांग</li> <li>➤ काले जाद की प्रथाओं में उपयोग होना</li> </ul> <p><b>संरक्षण संबंधी चिंताएँ:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ रेड सैंड बोआ की 'संकटग्रस्त' स्थिति घटती जनसंख्या प्रवृत्ति को दर्शाती है</li> <li>➤ प्रजातियों के संरक्षण के लिए अवैध व्यापार को संबोधित करने का महत्व</li> </ul>
<p><b>समाचारों में स्थान</b></p> <p><b>गैबॉन</b></p>	<p>राष्ट्रपति की चुनावी जीत के बाद गैबॉन में विद्रोही सैनिकों ने सत्ता पर नियंत्रण कर लिया और उनके परिवार के 55 साल के शासन को समाप्त कर दिया।</p> <p><b>गैबॉन: (राजधानी: लिब्रेविल)</b></p> <p><b>राजनीतिक सीमाएँ:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ गैबॉन मध्य अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित एक देश है।</li> <li>➤ इसकी राजनीतिक सीमाएँ निम्नलिखित देशों के साथ लगती हैं: गैबॉन की उत्तरी सीमा इक्वेटोरियल गिनी के साथ, उत्तर और उत्तर-पूर्व में, इसकी पूर्वी सीमा कांगो गणराज्य के साथ, पश्चिमी तटरेखा अटलांटिक महासागर के साथ साझा होती है।</li> </ul> <p><b>गैबॉन की भौतिक विशेषताएँ:</b></p> <p><b>पठार:</b> गैबॉन के मध्य भाग में पठार हैं, जिनकी समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 500 से 1,000 मीटर तक है।</p> <p><b>वर्षावन:</b> गैबॉन का अधिकांश भाग घने वर्षावनों से ढका हुआ है, जो कांगो बेसिन वर्षावन का हिस्सा है, जो दुनिया के सबसे बड़े उष्णकटिबंधीय वर्षावन क्षेत्रों में से एक है।</p> <p><b>नदियाँ:</b> गोगोए नदी गैबॉन की सबसे महत्वपूर्ण नदी है, जो देश से होकर बहती है और परिवहन और वाणिज्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।</p> <p><b>मॉन्ट्स डी क्रिस्टाल:</b> यह पर्वत श्रृंखला गैबॉन के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित है और इसमें देश का सबसे ऊंचा स्थान माउंट इबाउंडजी भी शामिल है।</p> <p><b>अफ्रीका में हाल के तख्तापलट:</b></p> <p><b>नाइजर (जुलाई 2023):</b> राष्ट्रपति गार्ड ने मोहम्मद बज़ौम को हिरासत में लिया और सत्ता जब्त करने की घोषणा की।</p> <p><b>बुर्किना फासो (जनवरी 2022):</b> सेना ने उग्रवादी हिंसा को रोकने में विफलता का हवाला देते हुए राष्ट्रपति रोच काबोर को पद से हटा दिया।</p> <p><b>चाड (अप्रैल 2021):</b> विद्रोही संघर्ष के दौरान राष्ट्रपति इदरीस डेबी की मृत्यु के बाद सेना ने सत्ता संभाली।</p> <p><b>गिनी (सितंबर 2021):</b> राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को एक कमांडर ने अपदस्थ कर दिया।</p> <p><b>माली (अगस्त 2020):</b> सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद सेना ने राष्ट्रपति इब्राहिम कीता को अपदस्थ कर दिया।</p> 
<p><b>समाचारों में स्थान</b></p> <p><b>अल्लादी रामकृष्णन</b></p>	<p><b>अल्लादी रामकृष्णन: (9 अगस्त, 1923-7 जून, 2008)</b></p> <p>वह एक प्रख्यात भारतीय भौतिक विज्ञानी थे जिन्होंने सैद्धांतिक भौतिकी में महत्वपूर्ण योगदान दिया साथ ही चेन्नई, में गणितीय विज्ञान संस्थान (आईएमएससी) की स्थापना में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी</p> <p><b>शिक्षा:</b> उन्होंने भौतिकी में प्रारंभिक रुचि दिखाई और इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त की।</p> <p><b>नील्स बोह्र का प्रभाव:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ 1960 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार विजेता नील्स बोहर की भारत यात्रा ने उनके छात्रों पर रामकृष्णन की शिक्षा के प्रभाव पर प्रकाश डाला।</li> <li>➤ रामकृष्णन के काम के लिए नील्स बोहर की प्रशंसा ने ध्यान आकर्षित किया।</li> </ul> <p><b>आईएमएससी की स्थापना:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समर्थन से, रामकृष्णन ने 1962 में गणितीय विज्ञान संस्थान (आईएमएससी) की स्थापना की।</li> <li>➤ उन्होंने इसके संस्थापक निदेशक के रूप में कार्य किया और इसकी शैक्षणिक दिशा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।</li> </ul> <p><b>नेतृत्व और विरासत:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ रामकृष्णन के नेतृत्व और समर्पण ने आईएमएससी को एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान के रूप में विकसित होने में मदद की।</li> <li>➤ उन्होंने सैद्धांतिक भौतिकी अनुसंधान के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा दिया और युवा प्रतिभाओं को पोषित किया।</li> </ul> 

## POINTS TO PONDER

- ❖ हाल ही में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (NIDM) ने जलवायु परिवर्तन जागरूकता अभियान के लिए किसे नियुक्त किया है? - मैथिली ठाकुर
- ❖ कर्नाटक सरकार द्वारा हाल ही में कौन सी प्रमुख योजना शुरू की गई है? - गृह लक्ष्मी
- ❖ भारत के आदित्य-एल1 मिशन पर प्राथमिक पेलोड क्या है? - वीईएलसी (विजिबल एमिशन लाइन कोरोनोग्राफ)
- ❖ गहन भूवैज्ञानिक निपटान के लिए फिनलैंड में खोले जाने वाले भंडार का नाम क्या है? - ओंकालो
- ❖ शिकागो विश्वविद्यालय की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार कौन सा देश दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित देश है? - भारत

